Patrika (Indore), 02nd January 2023, Xpose, Page – 04

इंडस्ट्री को सपोर्ट के लिए तैयार हैं आइआइटी, आइआइएम, मैनिट जैसे संस्थान

हर साल तैयार हो रहे 2 लाख इंजीनियर, स्किल्ड मैन पॉवर में भी इंदौर अब प्लस

XPOSE रिपोर्टर
xpose.indore@epatrika.com

इंदौर. प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए 11-12 जनवरी को इंदौर में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट होने जा रही है। इसमें शामिल होने के लिए देश-दुनिया की इंडस्ट्रीज को न्यौता भेजा गया है। उद्योग-धंधों के लिए प्रदेश में जमीन के साथ पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन एक और खूबी इसे इंवेस्टमेंट के लिहाज से अगली पंक्ति में ला खड़ा करती है। ये है यहां मौजूद अच्छे कॉलेज-यूनिवर्सिटी और इनमें तैयार होने वाला स्किल्ड मैन पॉवर।

प्रदेश में आइआइटी, आइआइएम, मैनिट जैसे राष्ट्रीय महत्व के शैक्षणिक संस्थानों के साथ करीब 200 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। इंजीनियरिंग कॉलेजों से हल साल 2 लाख इंजीनियर डिग्री हासिल कर रहे हैं। ये देश-दुनिया की नामी कंपनियों में सेवा देते हैं। प्लेसमेंट एक्सपर्ट डॉ. अवनीश व्यास बताते हैं कि किसी भी इंडस्ट्री की दूसरी बड़ी जरूरत स्किल्ड मैन पॉवर की रहती है। इनमें सबसे बड़ी संख्या इंजीनियर और मैनेजर की है। प्रदेशभर के लिहाज से देखें तो पिछले पांच सालों में इंजीनियरिंग का प्लेसमेंट 60 फीसदी से अधिक रहा है। इनमें से 50 फीसदी ग्रेजुएट्स बेंगलूरु, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित अन्य बड़े शहरों में प्लेसमेंट पाते हैं। 3 से 5 फीसदी को विदेशों से ऑफर मिलते हैं। प्रदेश में अच्छे मौके मिलें तो बाहर जाने वाले होनहार डिग्रीधारी प्रदेश में ही रहकर काम करेंगे।

रिसर्च का भी बनेगा माहौल

आइआइटी और आइआइएम जैसे संस्थान इंडस्ट्री से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए रिसर्च और प्रोजेक्ट करते हैं। इनका सबसे ज्यादा लाभ स्थानीय इंडस्ट्रीज उठा रही हैं। निजी यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अरिहंत कॉलेज की कविता कासलीवाल का कहना है कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने 2026 तक मप्र को 550 बिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है।

2500 से ज्यादा स्टार्टअप्स

नए उद्योगों के लिए प्रदेश का माहौल अच्छा है। सरकार से सभी को सहयोग मिल रहा है, इसलिए 2500 से ज्यादा स्टार्टअप्स सफल तरीके से काम कर रहे हैं। प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. निशिकांत वायकर ने बताया, इंडस्ट्रीज को आकर्षित करने में सफल स्टार्टअप्स के अनुभवों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।